

आधुनिक युग की काव्यशास्त्रीय ग्रन्थ

71

लेखक

ग्रन्थ का नाम

- 1) भारतेन्दु बाबू हरिचन्द्र — नाटक
- 2) कन्हैयालाल पोद्दार — रसमंजरी, अलंकार मंजरी
- 3) लाला भगवानदीन — अलंकार मंजरी
- 4) डॉ. रमारांकर शुक्ल 'रसाल' — अलंकार पीयूष
- 5) अर्जुन सिंह केड़िया — भारती भूषण
- 6) अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिभोध' — रसकलरा
- 7) बाबू श्यामसुन्दर दास — साहित्यालोचन
- 8) आचार्य शुभचन्द्र शुक्ल — चिन्तामणि, रसमीमांसा
- 9) लक्ष्मी नारायण सिंह 'सुधांशु' — काव्य में अभिव्यंजनावाद
- 10) सुमिलानन्दन पंत — पल्लव की भूमिका
- 11) बाबू गुलाबराय — नवरस, सिद्धान्त और अध्ययन
- 12) आचार्य रामदहिनि मिश्र — काव्य दर्पण
- 13) आचार्य बलदेव उपाध्याय — भारतीय साहित्यशास्त्र

14> आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र — वाङ्मय विमर्श

15> डॉ. नगेन्द्र — भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका
रस सिद्धान्त

16> डॉ. आनन्द प्रकाश दीक्षित — रस सिद्धान्त — स्वरूप विश्लेषण

17> डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी — रस विमर्श

18> डॉ. भगीरथ मिश्र — काव्यशास्त्र

19> डॉ. सत्यदेव चौधरी — भारतीय काव्यशास्त्र

20> डॉ. गोविन्द त्रिगुणाधर — शास्त्रीय समीक्षा के सिद्धान्त

विश्व ज्ञान माला

आदिकाल 1050-1375 विक्रम

- | | |
|-------------------------------|------------------------------|
| 17 पृथ्वीराज रासो - चन्दबरदाई | 5 जेनाचार्य हेमचन्द्र |
| 2 बीसलदेव रासो - बिसलदेव राजा | 6 सोमप्रभुसूरि |
| 3 परमाल रासो (जहाँनन) | 7 मेरुतंग |
| 4 खुमान रासो | 8 विद्यापति |
| | 9- अमीर खुसरौ (1253-1325 ई.) |
| | डिगल |
| | 10 पिंगल |

सिद्ध साहित्य

- 1 सरहपा
- 2 शबरपा (780 ई.)
- 3 लुइपा
- 4 डोम्बिपा | डोम्बिपा
- 5 कण्ठपा
- 6 कुक्कुरिपा

नाथ साहित्य

- 1 गोरखनाथ

जैन साहित्य

- 1 आचार्य देवसेन
- 2 शालिभद्र सूरि
- 3 स्वयम् (8 वीं शताब्दी)
- 4 पुष्पदन्त

(५९ मई १९५८)

भक्तिकाल - 1375-1700 वि.

- 1) रामानंद - (1368-1468) - प्रयाग के कान्यकुब्ज ब्राह्मण परिवार में।
- 2) रैदास - (1398-1448) - कारी में, गुरु स्वामी रामानंद
- 3) कबीरदास - (1455-1518) - लहरतारा (कारी)
- 4) जम्भिनदास - (1451-1523) - पीपासर (जोधपुर राज्य के नगीर प्रदेश में)
- 5) नानकदेव - (1469-1538) - लहौर के निकट रईगाई के तलवंडी नामक ग्राम में
“उदासी सम्प्रदाय” का प्रवर्तन किया।
- 6) मीराबाई - (1498-1546) -
- 7) सींगा - (1519-1659) - खजूर (मध्य प्रदेश)
- 8) लालदास - (1540-1648) -
- 9) दादू दयाल - (1544-1603) - अहमदाबाद (गुजरात)
- 10) गुरु अर्जुनदेव - (1563-1606) -
- 11) रज्जब - (1581-1689) -
- 12) मलकदास - (1574-1682) - इलाहाबाद
- 13) सुन्दरदास - (1596-1689) - घोसा (जयपुर राज्य)

सगुण काव्य परम्परा

अष्टदास

- 1 कुम्भनदास - 1468
- 2 सूरदास - 1478
- 3 परमानन्ददास - 1483
- 4 कृष्णदास - 1496
- 5 गोविन्द स्वामी - 1505
- 6 दीनानन्दस्वामी - 1515
- 7 चतुर्भुजदास - 1530
- 8 नन्ददास - 1533

वेल्डमाचार्य के शिष्य

सगुण भक्ति

- 1 रामानन्दजी - (1017-1227)
- ↓
- 2 निम्बार्कचार्य - (1162)
- ↓
- 3 मध्वाचार्य - (1199)
- ↓
- 4 विष्णुस्वामी - (1300)
- ↓
- 5 रामानन्द - (1400-1470)

- 6 कुम्भनदास — (1468)
↓
- 7 बल्लभाचार्य — (1479)
↓
- 8 इंदरदास — (1480)
↓
- 9 तुलसीदास — (1523 - 1532 ई)
↓
- 10 केशवदास — (1555 - 1617)
↓
- 11 अग्रदास — (1556)
↓
- 12 भागवतदास — (1570)
↓
- 13 ध्रुवदास — (1573 ई)
↓
- 14 सेनापति — (1589 ई के लगभग मना जाता है) —

कृष्ण भक्त धारा के प्रमुख कवि -

- 1 सुरदास — (1478 ई)
↓
- 2 कुम्भनदास — (1468 - 1583 ई)

- 3 परमानन्ददास - (1493 ई.)
↓
- 4 कृष्णदास - (1496-1578 ई.)
↓
- 5 मीराबाई - (1504-1558 से 1563 के मध्य में)
↓
- 6 गोविन्द स्वामी - (1505 ई.)
↓
- 7 चतुर्भुजदास - (1530-1585 ई.)
↓
- 8 नन्ददास - (1533-1583) - उत्तर प्रदेश के सूकरखेत (सोरो) रामपुर
↓
- 9 रसखान - (1533-1618 ई.)
↓
- 10 छीतस्वामी - (1555-1585 ई.)

रीतिकाल - 1700-1900 विक्रम (सन् 1643-1843 ई.)

- 1 केशवदास - (1555-1617) देहरी
↓
- 2 बिहारी - (1595-1663) - ग्वालियर
↓
- 3 चिंतामणि - (1600-1680-85) के आस-पास तिकवाँपुर, कानपुर
↓
- 4 कुलपति मिश्र - (1600-1700 ई.)

- 5 रसनिधि — (1603-1660 ई.)
↓
- 6 मतिराम — (1604-1701 ई.) तिकवाँपुर, कानपुर
↓
- 7 भूषण — (1613-1715 ई.) तिकवाँपुर, कानपुर
↓
- 8 महाराज जशवन्त सिंह — (1629-1729) मारवाण
↓
- 9 सुखदेव मिश्र — (1633-1703 ई.)
↓
- 10 कविवृन्द — (1643-1723 ई.)
↓
- 11 सेनापति — (1650 ई. के लगभग)
↓
- 12 नृप राम — (1657 ई.)
↓
- 13 कुमारमणि — (1665 ई. आस-पास)
↓
- 14 देव — (1675-1767 ई.) इटावा —
↓
- 15 घनानन्द — (1689-1739 ई.)
↓
- 16 रसलसि — (1699-1750 ई.)
↓
- 17 कृष्ण कवि — (1720 ई. के आस-पास रहता है।)
↓
- 18 सोमनाथ — (1725-1760 ई.) — “रस पीयूष निधि” एवं “शृंगार विलास”
↓
- 19 मिथारीदास — (1725-1760 ई.) हयोगा प्रतापगढ़
↓
- 20 रसिक गोविन्द — (1743 के आस-पास 1838 ई.)

- 21 बोधा - (1747)
↓
- 22 पद्माकर भट्ट - (1753-1833) - बाँदा
↓
- 23 हठी जी - (1780 के आस-पास)
↓
- 24 विक्रमादित्य - (1782-1829)
↓
- 25 अमीरदास - (1783- के आस-पास)
↓
- 26 ग्वाल कवि - (1791-1868) - रसिकानन्द, कवि दर्पण, साहित्यानन्द
↓
- 27 राम सहाय - (1803-1823) - यमना लहरी, रसंग, राधाष्टक, कुलाष्टक
↓
- 28 पन्नोस - (1815 के आस-पास) - दृशतक, गुरु पचासा आदि महत्व
↓
- 29 द्विजदेव - (1820-1861) पूर्ण हैं।
↓
- 30 प्रतापसाहि - 1823-1843 के बीच माना जाता है।
↓
- 31 आलम
↓
- 32 गंकर

आधुनिक काल - 1843-1923 ई.

भारतेन्दु युगीन महत्वपूर्ण रचनाकार -

1. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र — (1850-1855 ई.) — 17 नाटक काशी में जन्म
↓
2. बद्रीनाथ चौधरी प्रेमधन — (1855-1923) — नागरी निरुपेक्ष एवं आनन्द
↓
कादम्बिनी पत्रिका (मिर्जापुर)
3. प्रतापनारायण मिश्र (1856-1894) — बेंजैगाँव (उन्नाव)
↓
ब्राह्मण पत्रिका
4. जगन्मोहनसिंह — (1867-1899)
↓
5. अम्बिकादत्त झा — (1858-1900 ई.)
↓
6. राधाकृष्णदास — (1865-1907 ई.)
↓
7. नवनीत चतुर्वेदी — (1868-1919 ई.) — 'कुल्लापचीसी'
↓
8. राधाचरण गोस्वामी — इनकी प्रसिद्ध रचना 'नवमकरमाला' है।

द्विवेदी युग - 1903-1925 ई

- 1 श्रीधर पाठक - (1859-1928) - आगरा जिले के 'जोन्हरी' गाँव
↓
- 2 नाथूराम शर्मा शंकर - (1859-1932) - हरदुआगंज (अलीगढ़)
↓ → भारतेन्दु प्रेम्भू, साहित्य सुधाकर और कविता कमिनी कान्त उपनाम हैं
- 3 महावीर प्रसाद द्विवेदी - (1864-1938) - रायबरेली-दौलतपुर
↓
- 4 अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध' - (1865-1947) - मिर्जापुर-आज़मगढ़
↓
- 5 बालमुकुन्द गुप्त - (1865-1964) - हरियाणा प्रदेश के रोहतक जिले
के ग्राम 'गुड़ियाना' में हुआ था।
↓
- 6 भगवानदीन - (1866-1930) - फतेहपुर जिले के 'बरबर' ग्राम में।
- उद्योग शिल्प
↓
- 7 जगन्नाथ शुभाकर - (1866-1932) - काशी - गंगावतरण
ब्रजभाषा के कवि
- द्विष्टोला
- अंगार लहरी
↓
- 8 राय देवी प्रसाद 'पूर्ण' - (1868-1915) - जबलपुर
- हरिचन्द्र
↓
- 9 रामचरित उपाध्याय - (1872-1938) - गाज़ीपुर
↓
- 10 अमीर अली 'मीर' - (1873-1937) - सागर, (मध्य प्रदेश)

11 कामता प्रसाद गुप्त - (1875-1947) - हिन्दी में सर्वप्रथम एवं सर्वप्रमाणिक
व्याकरण के रचयिता
- सागर (मध्य प्रदेश)

12 सत्यनारायण कविरत्न - (1880-1918) - अलीगढ़ के सराय नामक गाँव
ब्रजभाषा के कवि हैं।
इसको ब्रजकोकिल भी कहते हैं।

13 गिरिधर शर्मा नवरत्न - (1881-1961) - झांझारवाड़ा (जयपुर)

14 गया प्रसाद शुक्ल 'सनेही' - (1883-1912) - उन्नाव जिले के 'हड़हा' नामक
ग्राम में हुआ था।

15 रूप नारायण पाण्डेय - (1884-1959) - लखनऊ
नागरी प्रचारक, इंदु, माधुरी कई पत्रिकाओं
का सम्पादन किया

16 लोचन प्रसाद पाण्डेय - (1886-1959) - मुकुन्दधर पाण्डेय के भाई हैं।
- (बालपुर मध्य प्रदेश)

17 मैथिलीशरण गुप्त - (1886-1964) - चिरगाँव (झांसी)

18 रामचंद्र लिप्याही - (1889-1962) - सुल्तानपुर - कौड़ीपुर

- मिलन - 1917 ई.

- पथिक - 1920 ई.

- मानसी - 1927 ई.

- स्वप्न - 1929 ई.

- 19 गोपाल शरण सिंह - (1891-1960) - नयी गद्दी रीवा राज्य
↓
20 मुकुन्दधर पाण्डेय - (1895-1984) - माधवी, मानवी, संचिता तथा
↓ ज्योतिष्मती इनकी प्रमुख रचना हैं।
21 सियाराम शरण गुप्त - छायावाद का प्रवर्तक - रामचन्द्र
↓ गुप्त
22 लक्ष्मीधर वाजपेयी -

स्वच्छन्दतावादी कवि - श्रीधर पाठक, रामनरेश त्रिपाठी,

मुकुन्दधर पाण्डेय, जगन्नाथ दास खन्नाकर आदि

दायाबाद - रामचन्द्र शुक्ल - 1918 ई. से मने हैं।

- 1 जयशंकर प्रसाद - (1890-1937) - कारी झरना - 1918 ई.
↓
- 2 सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला - (1897-1962) - मेंदिनीपुर फ. बंगाल
↓
- 3 उदयशंकर भट्ट - (1898-1966)
↓
- 4 मोहनलाल महतो 'वियोगी' - (1899-1936)
↓
- 5 सुमिलानन्दन पंत - (1900-1970) - कौसानी ग्राम (अल्मोड़ा)
↓
- 6 लक्ष्मीनारायण मिश्र - (1903-1987)
↓
- 7 डॉ. रामकुमार वर्मा - (1905-1990)
↓
- 8- सहायदेवी वर्मा - (1907-1987) फर्रुखाबाद
↓
- 9- रामचन्द्र (1880-1936)
↓
- 10- जैनेन्द्र (1905-1988)
↓
- 11- वृन्दावन लाल वर्मा (1889-1969)
↓
- 12- चतुरसेन शास्त्री (1888-1960)
↓
- 13- पाण्डेय बेचन शर्मा 'उग्र' (1900-1967)
↓
- 14- इलाचन्द्र जोशी (1902)

उत्तर दायवादी काव्य एवं प्रमुख कवि-

इसे दो वर्गों में बाँटा जा सकता है।

1) व्यक्तिवादी काव्यधारा के कवि-

1 भगवतीचरण वर्मा - (1903-1981) - उन्नाव जिले के 'सफीपुर' में



2 हरिवंश राय बच्चन - (1907-2003) - इलाहाबाद के कटहर में
'नवीनवाद' का प्रवर्तन, हालावाद के नाम से जाना जाता है।



3 हरिकृष्ण 'प्रेमी' - (1908-1994)



4 नरेन्द्र शर्मा - (1913-1989) - बुलन्दशहर के जहाँगीरपुर नामक स्थान



5 रामेश्वर शुक्ल 'अंचल' - (1915-1996) - फतेहपुर जिला के
किसनपुरा ग्राम में

प्रयोगवाद

- 1 'अज्ञेय' (1911-1987) - कसया (देवरिया) 'दीनमान', 'प्रतीक' का सम्पादन किया।
↓
- 2 समशेर बहादुर सिंह (1911-1993) - देहरादून - 'युक्त' भी नहीं हैं मैं
- इतने पास अपने
- काल तुझसे होड़ मेरी
- उदित
- बात बोलेगी हम नहीं
↓
- 3 भवानी प्रसाद मिश्र (1914-1985) - 'कल्पना' में सम्पादक थे।
↓
- 4 गिरिजाकुमार मधुर (1919-1994) - अशोकनगर (म.प्र.)
गंगानांचल पत्रिका के सम्पादक
↓
- 5 भारत - भूषण अग्रवाल (1919 ई.)
↓
- 6 नरेरा मेहता (1922)
↓
- 7 धर्मवीर भारती (1926-1927) - इलाहाबाद - 1987 में धर्मपुग का सम्पादन किया।

8 कुँवर नारायण - (1927 ई.)

9 सर्वेस्वर दयाल सक्सेना - (1927 ई.)

10 रघुवीर सहाय - (1929 ई.) - सादियों पर धूप में

- आत्महत्या के किस्से

- हँसो- हँसो जली हँसो

- लोग भूल गए हैं।

11 धूमिल - (1936-1975)

प्रपद्यवाद या नकेनवाद

इसके संस्थापक बिहार के तीन कवि - नलिन विलोचन शर्मा

- केसरी कुमार

- नरेश हैं।

प्रपद्यवाद का आरम्भ वस्तुतः 1936-1938 ई. में

नलिन विलोचन शर्मा द्वारा लिखित कविताओं से होता है।

किन्तु 1958 ई. में इन कवियों की कविताओं का संकलन 'नकेन के प्रपद्य' नाम से प्रकाशित हुआ।

प्रपद्यवाद > प्रगतिवाद > प्रयोगवाद > नयी कविता > नवगीत > साठोल्लरी कविता

राष्ट्रीय काव्यधारा

1 माखनलाल चतुर्वेदी - (1889-1968) - बाबई (होसंगाबाद, मध्य प्रदेश)
उपनाम - एक भारतीय आत्मा, प्रभा, प्रताप, कर्मवीर के सम्पादक हैं

2 रामनरेश त्रिपाठी - (1889-1960)

3 सियाराम शरण गुप्त - (1895-1963) - चिरगाँव जिला झाँसी

4 बालकृष्ण शर्मा 'नवीन' - (1893-1960) - ग्वालियर के सुजालपुर ग्राम

5 उदयशंकर भट्ट - (1898-1966) - 'प्रभा' और 'प्रताप' नामक पत्रिका का सम्पादन
कर्मवास जिला बुलंदशहर

6 सुभद्राकुमारी खेतान - (1905-1948) - इलाहाबाद के मिहारपुर गाँव में
विधारा, मुकुल, काव्य संग्रह झाँसी की रानी

7 सप्रेम लाल द्विवेदी - (1905-1988) - बिंदकी (फतेहपुर)

8 श्याम नारायण पाण्डेय - (1907-1990) - आजमगढ़ जिले के डुमराँव

9 जगन्नाथ प्रसाद मिलिंदे - (1907-1986)

प्रगतिवाद

- 1 रामधारी सिंह दिनकर - (1908-1974) - सिमरिया घाट जिला
मुँगेर (बिहार) में हुआ था।
- 2 नागार्जुन (1910-1998) - तरौनी जिला दरभंगा (बिहार)
- 3 केदारनाथ अग्रवाल - (1911-2000 ई.) - कन्नौज जिला बाँदा
- 4 रामविलास शर्मा - (1912-2000) - करी - हुस के सम्पादक रहे।
- 5 शिवमंगल सिंह 'सुमन' - (1915-2002) - हिल्लोल, जीवन के गान
- 6 बिलोचन (1917-2007) - उस जनपद का कवि हैं
- ताप के तापे हुए दिन
- मिट्टी की बारात
- 7 गजानन माधव मुक्तिबोध - (1917-1964) - मुरैना (म.प्र.)
→ चाँद का मुँह टेढ़ा है। → अंधेरे में
→ भरी-भरी खाक धूल
- 8 रांगेय राघव (1923-1962) - 1 अरुण फड्डहर (1941) 2 पांचाली (1955)
3 मेघावी (1947) 4 'रहि' के दीपक

द्विवेदी युग का निबन्ध साहित्य

- 1 गोपाल राम गहमरी - (1856-1956)
↓
- 2 गोविन्द नारायण मिश्र - (1859-1926)
↓
- 3 महावीर प्रसाद द्विवेदी - (1864-1938)
↓
- 4 बालमुकुन्द गुप्त - (1865-1907)
↓
- 5 माधव प्रसाद मिश्र - (1871-1907)
↓
- 6 श्याम बिहारी - (1873-1947)
↓
- 7 श्याम सुन्दरदास - (1875-1946)
↓
- 8 जगन्नाथ प्रसाद चतुर्वेदी - (1875-1939)
↓
- 9 लक्ष्मणसिंह शर्मा - (1876-1932)
↓
- 10 सुकदेव बिहारी - (1878-1951)
↓
- 11 सरदार पूर्ण सिंह - (1881-1939)
↓
- 12 चन्द्रधर शर्मा गुलेरी - (1883-1920)

13 रामचन्द्र शुक्ल - (1884-1959)



14 गुलाब राय - (1888-1963)



15 कृष्ण बिहारी मिश्र - (1890-1951)



16 माधनलाल चतुर्वेदी - (1889-1968)



17 डॉ. सम्पूर्णानन्द - (1890-1969)



18 शिवपूजन सहाय - (1893-1963)



19 पुदुमलाल पुन्नालाल बक्सी - (1894-1971)



20 पं. परशुराम चतुर्वेदी - (1894-1979)



21 सियाराम शरण गुप्त - (1895-1963)



22 विद्योमणि हरि - (1896-1988)



23 रामवृक्ष बेनीपुरी - (1896-1968)



24 धीरेन्द्र वर्मा - (1897-1973)



25 पाण्डेय बेचन शर्मा 'उग्र' - (1900-1967)

26 इलाचन्द्र जोशी - (1902-1982)

27 यशपाल - (1903-1976)

28 वासुदेवसराभा अग्रवाल - (1904-1966)

29 जेनेन्द्रकुमार - (1905-1988)

30 डॉ. विनयमोहन शर्मा - (1905-1993)

31 भदन्त आनन्द कोसल्यायन - (1905-1988)

32 पं. रान्तिप्रिय द्विवेदी - (1906-1967)

33 पं. नन्ददुलारे वाजपेयी - (1906-1967)

34 पं. विश्वनाथप्रसाद मिश्र - (1906-1982)

35 कल्याणलाल मिश्र प्रभाकर - (1906-1995)

36 पं. हजारीप्रसाद द्विवेदी - (1907-1979)

37 महादेवी वर्मा - (1907-1987)

38 डॉ. राजबली पाण्डेय - (1907-1971)

39 - बच्चन - (1907-2003)



40 भगवतराण उपाध्याय - (1908-1982)



41 सुधीर सिंह - (1908-1991)



42 दिनकर - (1908-1985)

1. भारतेन्दु युग की समय सीमा — 1850-1900 ई.
2. द्विवेदी युग का कालांतर की समय सीमा — 1900-1920 ई.
3. छायावादी काव्य की समय सीमा — 1920-1936 ई.
4. प्रगतिवाद काव्य की समय सीमा — 1936-1943 ई.
5. प्रयोगवाद काव्य की समय सीमा — 1943-1953 ई.
6. नयी कविता की समय सीमा — 1953-1960 या इसके उपरान्त
7. हिन्दी नवगीत की समय सीमा — 1960 ई. के उपरान्त

नारी-विमर्श की पुस्तकें

1. सिमोन् दे बुआ की पुस्तक 'द सेकंड सेक्स' (1949)
2. जेरी एलमन की पुस्तक 'चिकिंग स्बाउट वीमन' (1968)
3. वर्जिनिया वुल्फ ने अपनी पुस्तक 'ए रूम ऑफ वंस ओन'
(अपना निजी कक्ष : 1929) लिखा।
4. उषा महाजन — बाधाओं के बावजूद नयी ओर (2001)

- 5 अशारानी व्होरा — स्त्री सरोकार (2002)
- 6 मनीषा — हम सग्य ओरते (2002)
- 7 क्षमा शर्मा — स्त्रीत्व - विमर्श : समाज ओर साहित्य (2002)
- 8 विभा देवसरे — स्वागत है बेटी (2002)
- 9 कुमुद शर्मा — स्त्री-घोष (2002)
- 10 नासिरा शर्मा — ओरत के लिए ओरत (2003)
- 11 मैत्रेयी पुष्पा — खुली खिड़की (2003)
- 12 प्रभा खेतान — उपनिवेश में स्त्री (2003)
- 13 सुमन राजे — हिन्दी साहित्य का आधा इतिहास (2003)

- हिन्दी साहित्य के लिए प्रथम भारतीय ज्ञानपीठ पुरस्कार का सुमित्रानंदन पंत (1968, में, 'चिदम्बरा' पर) मिला।
- सर्वप्रथम हिन्दी के किस कथाकार को साहित्य अकादमी पुरस्कार मिला ? - भगवतीचरण वर्मा ('भूले बिसरे घित' 1961)
- सर्वप्रथम 'भारत भारती' सम्मान 'महुदेवी वर्मा' को मिला था।